

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्श,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

निबन्धक,
लोक सेवा अधिकरण,
देहरादून ।

न्याय अनुभाग - 2

देहरादून : दिनांक : 10 मार्च, 2008

विषय:- लोक सेवा अधिकरण को पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2007-2008 में धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-33/लो०से०अधि०/देहरादून, दिनांक 25.2.2008 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या 3-दो(4)/XXXVI(1)(2)/2007-1-दो(4)/07, दिनांक 17.7.2007 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लोक सेवा अधिकरण के उपयोगार्थ वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 में मानक मद संख्या-15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद के सम्प्रति बजट में कोई धनराशि अवशेष न होने के कारण तथा वर्तमान में आवश्यकता के दृष्टिगत संलग्न बी०एम०-15 के स्तम्भ-1 में अंकित मद संख्या-04-यात्रा व्यय में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित मद संख्या-15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद में रुपये 50,000/- (पचास हजार रुपये मात्र) की धनराशि को व्यावर्तित कर व्यय करने की महामहिम राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(i) प्रत्येक माह होने वाले व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 में अंकित कर उपलब्ध कराया जाय ।

(ii) उक्त धनराशि बजट मैनुअल के सम्बन्धित नियमों तथा शासन के अन्य आदेशों द्वारा विनियमित होगी ।

(iii) यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-04-लोक सेवा अधिकरण-00-15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद" से किया जायेगा ।

4. यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या यू०ओ०1444/XXVII(5)/2008, दिनांक 5.3.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक : बी०एम०-15

भवदीय,

(आर०डी०पालीवाल)

सचिव ।

संख्या : 6-दो(4)/XXXVI(1)/2007-08-1-दो(4)/07-तद्विनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड बुक ।

अज्ञात

(आलोक कुमार वर्मा)

अपर सचिव ।

नियुक्त अधिकारी का नाम- निरन्धक, लोक सेवा अधिकरण ।
प्रशासनिक विभाग का नाम- न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
व्यक्त प्राधिकार तथा सेवा शीर्षक का विवरण

1	2	3	4	5	6	7	अन्य विवरण
2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनोत्तर-800-अन्य व्यय-04-लोक सेवा अधिकरण-00-04-यात्रा व्यय	170	43	90 - क	2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनोत्तर-800-अन्य व्यय-04-लोक सेवा अधिकरण-00-15-गाड़ियों का अनुदान और पेट्रोल आदि की खरीद	374	120	क-वचन होने के कारण । ख- प्राविधान कम एवं आवश्यकता अधिक होने के कारण ।
	170	37	90	50	374	120	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से व्यक्त अनुदान के परिच्छेद 150-156 में उल्लिखित प्रावधानों एवं सीमाओं का उत्प्रेषण नहीं किया गया है ।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त विभाग

संख्या-1444-क/वित्त अनुभाग-5/2008

देहरादून : दिनांक : 5 मार्च, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारों),

उत्तराखण्ड, ओबाराथ बिल्डिंग, सहरनपुर रोड,

माजरा, देहरादून ।

(टी.एस.सिंह 19.3.08)

अपर सचिव, वित्त ।

संख्या- 8-दो(4)/XXXVI(1)/2007-08-1-दो(4)/07-तदुदि-एक ।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1- निरन्धक, लोक सेवा अधिकरण ।

2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, मैत्रीनाल ।

3- वित्त अनुभाग-5 उत्तराखण्ड शासन ।

4- गाई मुख ।

आज्ञा है
(अलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव